

ॐ नमश्चरिण्ये ॥ १ ॥ अथिहवाचा ॥ सुदरी
विपुलकामाकामिनी साधकप्रिया ॥ अमोघासत्पव
चनाविमोहामोहनाशिनी ॥ १ ॥ अमृतेशीचकल्याणी
कारुण्याकरुणाकला ॥ कलानीताकोमलान्तःकरणा
विश्वनाथीका ॥ २ ॥ विघ्नकर्त्रीविघ्नहर्त्रीविघ्नेशीविघ्नदा

॥ काली ॥

॥ १ ॥

यीनी ॥ कामाक्षा कामतिलया कामेश्वरी भगमास्त्रिनी ॥

३ ॥ विषण्णायोनिमुद्राचक्षेनुमुद्राचक्षेचरी ॥ वराकुंशा

शवणीचमोहिनी मदभञ्जिनी ॥ ४ ॥ मदप्रियामदारा

ध्या काली कालविनाशिनी ॥ कल्याकलेशी कल्याणी

सुकल्याकल्यकारिणी ॥ ५ ॥ कोमलाङ्गी विश्वमातायु

॥ सूक्तं ॥

॥ १ ॥

नेशीचयुगंधरी ॥ वदविद्याविमोही चमोहिनी संभिनीव

रा ॥ ६ ॥ अमोघासत्पदं कल्यासत्यासत्पविनाशिनी ॥

सत्पग्रामासत्पवहासदशासन्ननप्रिया ॥ ७ ॥ शरिरवा

रिणीवामावामदावामदक्षिणा ॥ कपालकुण्डलीका

ली काली कालनाशिनी ॥ ८ ॥ गीतागीतप्रियागं

॥ काली ॥

॥ २ ॥

गाङ्गीतमङ्गलशालिनी ॥ विश्वयोनिर्विश्वमाता विश्ववेद्या
रूपा मयी ॥ ८ ॥ अधिरूपा च ॥ १ ॥ इति स्तुत्यवसाने स्प
श्रीशम्भोः भूलधारिणा ॥ महाकाली कलातीता प्रोवाच
वचनं महत् ॥ १० ॥ स्तुत्या नयाने महेश मनुष्यं सममान
सम् ॥ वरं वर्यमदने प्रार्थनादायिकं शिव ॥ ११ ॥ शम्भु

॥ सूक्तं ॥

॥ १६ ॥

रूपा च ॥ १ ॥ नवामलान्मवाह विजायतामभक्तिरु
त्तमा ॥ एष एव वरो देवी प्रार्थितो मे रूपाकुले ॥ १२ ॥ दे
वुवाच ॥ १ ॥ एवमास्ति तदेवेश सूक्तं नोपावनं क्षितौ
॥ दुर्ध्वमभ्याविनं देव सर्वसिद्धिप्रदायकम् ॥ १३ ॥ महा
काली सूक्तं मृते पठेत्सप्तशतीन् नर ॥ दारुणान्तरकं गच्छेत्

॥ काली ॥

॥ ३ ॥

संन्यमेव्याहनेशिव ॥ १४ ॥ अन्यच्च भूयन्मादेवमपुत्रशम्पा
फलमहत् ॥ यस्याम्पराभावेनावहत्याक्षयंवेत्तेत् ॥
१५ ॥ इति श्रीमाऽकुरुतेयपुराणे सावर्णिर्केमन्यतरे
देवीमत्स्यमहाकालीसूक्तं कथयन्नाम द्वाविंशोऽध्या
यः ॥ ॥ भूयस्समाप्नोतु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥ सूक्तं ॥

॥ ७ ॥